हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 27 जुलाई 2026

11 कारगिल दिवस पर प्रजा भलाई संगठन ने किया...

12 मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में 400...

खबर संक्षेप

जन परिवेदना समिति की बैठक आज

नारनौल। जिला लोक संपर्क एवं जन परिवेदना समिति की मासिक बैठक के समय में बदलाव किया गया है। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने जानकारी दी कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री विपुल गोयल 27 जुलाई को लघु सचिवालय के पास स्थित सभागार में यह बैठक अब शाम चार बजे के बजाय दोपहर बाद तीन बजे लेंगे। इस बैठक में पूर्व निर्धारित 12 जनसमस्याओं के मामलों की सुनवाई की जाएगी, जिनका समाधान संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा।

आंगनबाड़ी वर्कर्स का प्रदर्शन 3 को

नारनौल। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका यूनियन हरियाणा सम्बंधित एआईयूटीयूसी की राज्य प्रधान कृष्णा देवी ने बताया कि कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं की मांगों को लेकर तीन अगस्त को मुख्यमंत्री के नाम जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इस अवसर पर प्रदर्शन को एआईयूटीयूसी जिला प्रधान मास्टर सुबेसिंह सम्बोधित करेंगे। जिला सचिव सन्तोष ढिल्लो ने कार्यकर्ता व सहायिकाओं से तीन अगस्त प्रातः 10 बजे जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग पुराना लघु सचिवालय पार्क में पंहुचने की अपील की।

हादसे में मरे युवक की हुई पहचान

नारनौल। शहर के मेहत्ता चौक के समीप राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान के पास रेलवे अंडरपास के ऊपर मालगाड़ी की चपेट में आने से मरे युवक की पहचान हो गई है। हादसे में युवक का शव कई हिस्सों में बंट गया था। मृतक की पहचान बास मोहल्ला निवासी 38 वर्षीय सोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। बताया गया कि सोनू विवाहित था और उसके दो बच्चे हैं। बीते दिवस सब्जी मंडी जाने वाले लोगों ने रेलवे ट्रैक के पास खून और शव के टुकड़े पड़े देख पुलिस को सूचना दी। सबसे पहले डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची।

श्रमिकों को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ: विनोद

कनीना। भवन निर्माण श्रमिक संघ की महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी जिले की संयुक्त बैठक रविवार को कनीना स्थित गोबिंदबाई धर्मशाला में आयोजित की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य दोनों जिलों के लिए नई कार्यसमिति का गठन करना था। बैठक की अध्यक्षता भारतीय मजदूर संघ के जिला मंत्री हरकेश व रेवाड़ी से राजबाला ने संयुक्त रूप से की। संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद खेड़ा ने कहा कि प्रदेश के हर एक श्रमिक तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार से वार्ता कर श्रमिकों के रुके हुए सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा।

टूटे झूले और बंद पड़े रंगीन फव्वारे बने चिंता का विषय

बदहाली का शिकार होता नजर आ रहा चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क

कभी परिवारों और बच्चों की पहली पसंद रहा यह पार्क अब रखरखाव के अभाव में खोता जा रहा अपनी चमक

शहर के सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्क का विशेष सर्वे कराकर टूटे झूलों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, बंद पड़े रंगीन फव्वारे को फिर से शुरू किया जाए तथा पार्क में नियमित सफाई और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों में शामिल चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क इन दिनों बदहाली का शिकार होता नजर आ रहा है। कभी परिवारों और बच्चों की पहली पसंद रहा यह पार्क अब रखरखाव के अभाव में अपनी चमक खोता जा रहा है। पार्क में जगह-जगह बच्चों के झूले टूटे हुए हैं, जिससे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। वहीं वर्षों से बंद पड़ा रंगीन फव्वारा भी पार्क की सुंदरता पर ग्रहण लगाए हुए है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पार्क का समय रहते रखरखाव किया जाए और फव्वारे को दोबारा चालू कर दिया जाए तो यह पार्क एक बार फिर शहर की पहचान बन सकता है। पार्क में प्रतिदिन बड़ी संख्या में बच्चे, युवा, बुजुर्ग और महिलाएं सुबह-शाम सैर करने तथा समय बिताने के लिए पहुंचते हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए लगाए गए झूलों की स्थिति बेहद खराब हो चुकी है। कई झूलों की चेन टूटी हुई है तो कई की सीटें क्षतिग्रस्त हैं। कुछ झूले पूरी तरह उपयोग के लायक नहीं बचे हैं, लेकिन उन्हें हटाया भी नहीं गया है। ऐसे में अनजाने में बच्चे इन झूलों पर खेलते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है।

गौरतलब है कि इस पार्क का उद्घाटन वर्ष 2010 में तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया था। उस समय इस पार्क को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित कर शहर को एक सुंदर सार्वजनिक स्थल के रूप में विकसित करने की योजना बनाई गई थी। शुरुआती वर्षों में पार्क की व्यवस्था और सुंदरता लोगों को काफी आकर्षित करती थी, लेकिन समय के साथ रखरखाव में कमी आने के कारण इसकी स्थिति लगातार बिगड़ती चली गई। शहर के सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पार्क का विशेष सर्वे कराकर टूटे झूलों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, बंद पड़े रंगीन फव्वारे को फिर से शुरू किया जाए तथा पार्क में नियमित सफाई और रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उनका कहना है कि यह पार्क शहर की महत्वपूर्ण धरोहरों में से एक है और इसकी अनदेखी उचित नहीं है।

नागरिकों का कहना है कि पार्क की देखरेख करने वाले संबंधित विभाग को कई बार इसकी जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए टूटे हुए झूलों की तुरंत मरम्मत कराई जानी चाहिए या फिर नए झूले लगाए जाने चाहिए। लोगों का मानना है कि किसी हादसे का इंतजार करने के बजाय प्रशासन को पहले ही आवश्यक कदम उठाने चाहिए। पार्क का सबसे आकर्षक केंद्र कभी इसका रंगीन फव्वारा हुआ करता था।

शाम के समय जब रंग-बिरंगी रोशनी के साथ फव्वारा चलता था तो बड़ी संख्या में लोग इसे देखने के लिए पार्क पहुंचते थे। कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था कमजोर नजर आती है। कुछ जगहों पर बैठने की बेंच भी क्षतिग्रस्त हैं, जबकि हरियाली को बनाए रखने के लिए नियमित देखभाल की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

महेंद्रगढ़। पार्क में बंद पड़ा फव्वारा। फोटो : हरिभूमि

मरम्मत करवाएंगे

सिटी पल्स

नगर पालिका द्वारा प्रस्ताव बनाकर फव्वारे की मरम्मत करवाई जाएंगी। इसके अलावा टूटे झूले को भी हटाया जाएंगा। चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा पार्क शहर में एकमात्र पार्क हैं। इसकी मरम्मत करवाई जाएंगी।
-रमेश सैनी, प्रधान नगर पालिका, महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। हुड्डा पार्क में टूटे पड़े झूले। फोटो : हरिभूमि

लोगों से बातचीत

जल्द चालू हो फव्वारा

पार्क में काफी सालों से रंगीन फव्वारा बंद पड़ा हैं। नगर पालिका प्रशासन को फव्वारा जल्द चालू करना चाहिए, पार्क की रौनक पहले जैसी लौट सकती है और शहरवासियों को बेहतर मनोरंजन का स्थान मिल सकता है।
-डॉ. नवीन

नए झूले लगाने की जरूरत

टूटे झूलों के कारण कभी भी बच्चों के साथ हादसा हो सकता हैं।इसलिए प्रशासन को टूटे झूले को हटाना चाहिए या फिर नए लगाने चाहिए।
-विकास तिवाड़ी

फव्वारे की होनी चाहिए मरम्मत

शाम के समय जब रंग-बिरंगी रोशनी के साथ फव्वारा चलता था तो बड़ी संख्या में लोग इसे देखने के लिए पार्क पहुंचते थे। बच्चे और परिवार यहां समय बिताना पसंद करते थे, लेकिन पिछले कई वर्षों से यह फव्वारा बंद पड़ा है। प्रशासन को जल्द फव्वारा चालू करना चाहिए।
-रामनिवास पाटोदा

आज रात से बदलेगा मौसम का मिजाज

कल से 3 दिन तक फिर सक्रिय होगा मानसून

मानसूनी ट्रफ हरियाणा की ओर बढ़ने के संकेत, दक्षिणी जिलों में भी बारिश की उम्मीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

इस सीजन में मानसून का मिजाज लगातार हैरान कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का असर इस बार मौसम के पूरे चक्र में साफ दिखाई दे रहा है। साल की शुरुआत से ही मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। जहां पश्चिमी विक्षोभ सामान्यतः शीत ऋतु में सक्रिय रहते थे, वहीं अब वे पूरे वर्ष मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। मौसम की यह बदलती प्रकृति भारतीय मौसम विभाग व मौसम वैज्ञानिकों के लिए भी शोध का विषय बना हुआ है।

बता दें कि जुलाई की शुरुआत में मानसून ने जोरदार दस्तक दी थी, लेकिन इसके बाद उसकी रफ्तार और लय बिगड़ गई। पिछले एक सप्ताह से मानसूनी ट्रफ और अन्य मौसम प्रणालियां राजस्थान के ऊपर सक्रिय रहने के कारण हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में मानसून कमजोर बना हुआ है। बीच-बीच में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो रही है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों में उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान कर रही है।

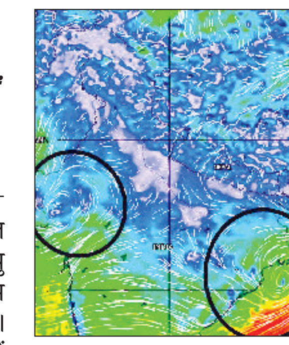

नारनौल। मानूसन का चित्र।

हरियाणा में इस बार अब तक केवल छह जिलों में सामान्य या सामान्य के आसपास बारिश हुई है, जबकि 16 जिलों में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई है।

राज्य में एक जून से 25 जुलाई तक 132.7 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा 175.4 मिलीमीटर होती है। यानी प्रदेश में अब तक 24 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। हालांकि मौसम के बदलते समीकरणों के बीच राहत की उम्मीद भी दिखाई दे रही है। राजस्थान के ऊपर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जबकि बंगाल की खाड़ी में बना दूसरा निम्न दबाव क्षेत्र अब डिप्रेशन में बदल चुका है और इसके उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की संभावना है।

क्या कहते हैं मौसम विशेषज्ञ

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि 27 जुलाई रात उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जिससे पंजाब के आसपास चक्रवाती परिसंचरण बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से मानसूनी ट्रफ फिर से हरियाणा व दिल्ली की ओर खिसक सकती है। इसी कारण 27 जुलाई की रात से मौसम में बदलाव शुरू होगा, जबकि 28 से 30 जुलाई के बीच प्रदेश में मानसून दोबारा सक्रिय होकर व्यापक वर्षा करा सकता है। इस दौरान हरियाणा के उत्तरी जिलों पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और करनाल में भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है। वहीं करनाल पानीपत और सोनीपत में भी मूसलाधार बारिश हो सकती है। इसके अलावा मध्य व दक्षिणी हरियाणा के रोहतक, झज्जर, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, नूंह (मेवात) व पलवल में हल्की से मध्यम तथा कुछ स्थानों पर तेज बारिश हो सकती है। जबकि पश्चिमी जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी, चरखी दादरी व महेंद्रगढ़ में हल्की बारिश या बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है।

नई मंडी में चश्मे की दुकान में तोड़फोड़

महिला से अश्लील हरकत करने का आरोप, दुकानदार पर हमला

महिला समेत कई लोगों पर मारपीट का आरोप, घायल दुकानदार हायर सेंटर रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नई मंडी गेट के बाहर स्थित एक चश्मे की दुकान में शनिवार शाम महिला सहित कुछ लोगों द्वारा तोड़फोड़ और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला से अश्लील हरकत की गई और महिला के समर्थकों की ओर से हंगामा कर दिया गया, जिस पर वहां भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस भी वहां पहुंची। महिला झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाली बताई जा रही है। घटना में दुकानदार घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार नई मंडी गेट के बाहर स्थित एक निजी आई केयर के संचालक अपनी दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान एक महिला कुछ लोगों के साथ दुकान पर पहुंची। आरोप है कि उक्त महिला से अश्लील हरकत की गई और उनके समर्थकों ने हंगामा किया।

इस पर उनके समर्थकों ने दुकान में घुसकर पहले तोड़फोड़ की और फिर मुकेश कुमार के साथ मारपीट कर दी। हमलावरों ने बीयर की खाली बोतलों से दुकान के मुख्य गेट का शीशा भी तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। आसपास के दुकानदारों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल को नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने गंभीर चोटों के चलते उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में व्यापारी मौके पर एकत्रित हो गए।

व्यापारियों ने बाजार में हुई इस घटना पर रोष जताते हुए आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दूसरी ओर महिला के समर्थक भी निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

नारनौल। हंगामे के बाद दुकान पर एकत्रित भीड़। फोटो : हरिभूमि

तीन आरोपित ग्रामीणों के हत्थे चढ़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ निजामपुर

■ दो माह में तीन दर्जन पशु चोरी का आरोप

गांव बायल में रविवार को भैंस व कटड़ी चोरी कर ले जा रहे तीन कथित आरोपितों को ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया। ग्रामीणों ने आरोपितों के कब्जे से एक पिकअप वाहन भी बरामद कर पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने इस मामले में गांव के दो अन्य लोगों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत सौंपी है। ग्रामीणों के अनुसार रविवार सुबह करीब 11 बजे ढाणी ढोया निवासी रोहताश खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने एक पिकअप में एक भैंस और एक कटड़ी को लदा हुआ देखा, जबकि तीसरी कटड़ी को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा था। रोहताश के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पीछा कर बायल की ढाणी व भरतरी मंदिर के पास तीनों आरोपितों को पकड़ लिया।

ग्रामीण लीलाराम, सुरेंद्र, विक्रम और अशोक ने आरोप लगाया कि पूछताछ के दौरान आरोपितों ने गांव के ही एक युवक के कहने पर पशु चोरी करने की बात कही। उनका यह भी आरोप है कि गांव के कुछ लोग लंबे समय से पशु चोरों को सूचना देकर चोरी की वारदातों में सहयोग करते रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जून और जुलाई माह के दौरान क्षेत्र में करीब तीन दर्जन भैंस व कटड़ी चोरी हो चुकी हैं। उनके अनुसार पूर्व सरपंच सुबेदार जगमाल सिंह, मनोहर लाल पुत्र ग्यारसीलाल, लीलाराम, बनवारी पुत्र ग्यारसीलाल, सुरेंद्र, धर्मपाल पुत्र मातादीन, हवाई सिंह, ईश्वर पुत्र रामचंद्र, पितराम पुत्र माधाराम, विक्रम पुत्र जगदीश, राधेश्याम पुत्र सुवानाथ योगी तथा अशोक पुत्र जयराम सहित कई पशुपालक पशु चोरी का शिकार हो चुके हैं। ग्रामीणों ने यह भी दावा किया कि पकड़े गए आरोपितों के मोबाइल फोन में पहले चोरी हुई कुछ भैंसों की तस्वीरें मिली हैं। हालांकि, पुलिस ने इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मामले की हो रही जांच

जांच अधिकारी एएसआई राजवंती ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा भैंस चोरी के मामले में तीन लोगों को पुलिस के हवाले किया गया है। इनमें दो आरोपित राजस्थान के अलवर जिले के थाना धोलागढ़ क्षेत्र के निवासी हैं, जबकि एक आरोपी गांव बायल का रहने वाला है। पुलिस ने एक पिकअप वाहन, एक भैंस और एक कटड़ी को कब्जे में लेकर एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच जारी है।

कक्षा 8 और उससे ऊपर की जरूरतमंद छात्राओं को मिलेगी 4 वर्ष तक छात्रवृत्ति

पात्र एवं संवेदनशील छात्राओं की पहचान करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण पंचकूला ने प्रदेश के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को पत्र जारी कर कोल इंडिया लिमिटेड के सीएसआर फंड से संचालित प्रज्ञा छात्रवृत्ति योजना के तहत पात्र एवं संवेदनशील छात्राओं की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार भारत के मुख्य न्यायाधीश ने इस योजना के अंतर्गत कक्षा आठवीं या उससे ऊपर अध्ययनरत 1000 छात्राओं को चार वर्ष की अवधि तक छात्रवृत्ति प्रदान किए जाने को स्वीकृति दी है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक एवं पारिवारिक कठिनाइयों से जूझ रही छात्राओं को शिक्षा जारी रखने में सहयोग देना है।

हर जिले में 5 छात्रों की होगी पहचान

प्राधिकरण ने प्रत्येक जिले से कम से कम पांच पात्र छात्राओं की पहचान करने को कहा है। पात्रता के लिए जिन श्रेणियों को शामिल किया गया है। उनमें ऐसे छात्राएं शामिल हैं। जिनके दोनों माता-पिता का निधन हो चुका हो, परिवार के मुख्य कमाने वाले अभिभावक का निधन हो गया हो, छात्रा दिव्यांग हो, माता-पिता आर्थिक रूप से शिक्षा का खर्च उठाने में असमर्थ हों, पिता जेल में हो तथा माता की आय शिक्षा के लिए पर्याप्त न हो, जनजातीय परिवार की आर्थिक रूप से कमजोर छात्राएं तथा अन्य समान परिस्थितियों में जीवनयापन कर रही छात्राएं शामिल हैं।

सत्यापन के लिए यह दिए निर्देश

पत्र में जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को निर्देश दिए गए हैं कि वे चयनित छात्राओं की पात्रता एवं पृष्ठभूमि का पूरी सावधानी से सत्यापन करें तथा निर्धारित प्रारूप में उनकी अनुशंसा प्राधिकरण को भेजें, ताकि आगे की कार्रवाई कर छात्रवृत्ति का लाभ पात्र छात्राओं तक पहुंचाया जा सके। इस संदर्भ में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नारनौल की तरफ से जिला शिक्षा अधिकारी को पत्र भेजकर संबंधित सूचना मांगी गई है। यह योजना शिक्षा से वंचित होने की कगार पर खड़ी जरूरतमंद छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा की राह आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

गुरु पूर्णिमा के मौके पर 29 को गंगा में डुबकी लगाएंगे शिवभक्त

बाघेश्वर धाम बागोत में कांवड़ मेले की तैयारियां शुरू

थाना इंचार्ज ने किया सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

दलीप सिंह ▶▶ कनीना

बागोत स्थित उत्तर भारत के प्रसिद्ध शिवालय बाघेश्वर धाम में इस वर्ष भी भव्य कांवड़ मेले का आयोजन किया जाएगा। बुधवार 29 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर शिवभक्त हरिद्वार पहुंचकर गंगा में डुबकी लगाएंगे और कांवड़ के माध्यम से पवित्र जल लेकर प्रस्थान करेंगे। इसके पश्चात सोमवार 10 अगस्त को सावन माह की त्रयोदशी के दिन बाघेश्वर धाम में बम-बम भोले के उद्घोष के साथ जलाभिषेक किया जाएगा। सुरक्षा व भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से अभी से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

सदर थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह ने बागोत पहुंचकर प्रस्तावित मेला स्थल का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने जलकुंड, धर्मशाला का निरीक्षण कर मंदिर के महंत रोशनपुरी से मंत्रणा की। उन्होंने बताया कि मेले में सीसीटीवी कैमरे, रेलिंग, बिजली-पानी, मेडिसन, एंबुलेंस, फायर बिग्रेड, गोताखोर सम्बंधी व्यवस्था होती है। इस ऐतिहासिक मेले की तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं। करीब 400 वर्षों से अधिक से यहां कांवड़ मेला लग रहा है। लाखों शिवभक्तों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से ड्यूटी मजिस्ट्रेट व भारी पुलिस बल की तैनाती की जाएगी।

कनीना। मेले की व्यवस्था को लेकर मंत्रणा करते महंत रोशनपुरी व थाना इंचार्ज रविंद्र सिंह। फोटो : हरिभूमि

धाम का ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व

बाघेश्वर धाम अपनी पौराणिक कथाओं और प्राकृतिक स्वयंभू शिवलिंग के लिए विख्यात है। एक किंवदंती के अनुसार संतानहीन राजा दिलीप ने ऋषि पिप्लाद के निर्देश पर यहां नंदिनी गाय की सेवा की थी। भगवान शिव ने राजा की परीक्षा लेने के लिए बाघ का रूप धारण कर गाय पर हमला किया। राजा ने गाय को बचाने के लिए स्वयं को बाघ के आगे अर्पण कर दिया। राजा की निष्ठा देख शिवजी प्रसन्न हुए। इसी घटना के बाद इस स्थान का नाम 'बाघेश्वर धाम' पड़ा।

स्वयंभू शिवलिंग की महिमा

मंदिर में स्थित प्राकृतिक शिवलिंग असीम आस्था का केंद्र है। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि झज्जर के नवाब फकरुद्दीन ने अपनी सेना को इस शिवलिंग को उखाड़ने का आदेश दिया था, लेकिन खुदाई के दौरान वहां अनगिनत सर्प निकल आए, जिन्हें देख सेना भाग खड़ी हुई। इसके बाद स्वयं नवाब ने भी इस चमत्कार को मानकर यहां गंगाजल से जलाभिषेक किया और मेले की शुरुआत की। आज भी सावन व फाल्गुन माह की त्रयोदशी पर लाखों भक्त घंटों कतारों में लगकर इस चमत्कारी शिवलिंग पर जलाभिषेक कर मन्नतें मांगते हैं।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

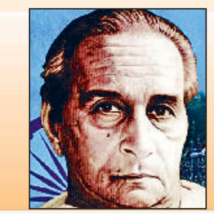

कहानी

डॉ. मधुकांत

डरा-सहमा बाप

दोपहर का समय था। बाजार की गहमागहमी के बीच भूशरण अपनी कपड़े की छोटी सी दुकान में लकड़ी के पुराने काउंटर के पीछे बैठा था। पंखा अपनी पूरी रफ्तार से चल रहा था, लेकिन उसके माथे पर पसीने की बूंदें साफ चमक रही थीं। उसकी नजरें सामने की सड़क पर थीं, पर मन कहीं दूर अतीत की गलियों और भविष्य की चिंताओं में भटका हुआ था। तभी उसका पुराना मित्र रामेश्वर दुकान में दाखिल हुआ। उसने देखा कि भूशरण ने उसे आते हुए भी नहीं देखा।

रामेश्वर ने कंधे पर हाथ रखा, 'क्यों भूशरण भाई! आज किस दुनिया में खोए हो? ग्राहक खड़ा हो जाए तो शायद तुम्हें पता भी न चले।' भूशरण ने हड़बड़ा कर लंबी सांस ली, 'आओ रामेश्वर, बस यूँ ही... घर-गृहस्थी की बातें हैं।' रामेश्वर पास पड़े स्टूल पर बैठ गया और बोला, 'देखो भाई, चेहरा मन का दर्पण होता है। तुम्हारी आँखों की ये गहरी झुर्रियां बता रही हैं कि मामला मामूली नहीं है। सुना है दुख बांटने से हल्का होता है, शायद कोई समाधान ही निकल आए।' भूशरण का गला भर आया। उसने डबडबाई आँखों से कहा, 'रामेश्वर, समाज में हम 'लड़का-लड़का' कहकर छाती चौड़ी करते हैं, पर जब वही लड़का बड़ा होकर बाप को आँखें दिखाने लगे, तो कलेजा फट जाता है। बेटी राखी का विवाह किया तो लगा कंधों का बोझ उतर गया, पर यह धीरेंद्र... इसने तो नाक में दम कर रखा है। न पढ़ाई में मन लगाता है, न दुकान पर बैठता है। आवारागर्दी और बदतमीजी इसकी पहचान बन गई है।' रामेश्वर ने सहानुभूति से कहा, 'आजकल की हवा ही खराब है भूषण। पर तू एक काम कर, तू उसका बाप है, पर वो शायद तेरी बात न माने। तू चुपचाप उसके स्कूल जा और मास्टर जी से मिल। शिक्षक का भय और सम्मान आज भी बच्चों के मन में होता है।' अगले दिन भूशरण भारी मन से धीरेंद्र के स्कूल पहुँचा। गलियारे में चलते हुए उसे डर लग रहा था कि कहीं धीरेंद्र उसे देख न ले। वह प्रधानाध्यापक के कमरे में पहुँचा। मास्टर जी ने चश्मा ठीक करते हुए पूछा, 'जी, आप कौन? क्या काम है?' 'जी, मैं धीरेंद्र का पिता हूँ,' भूशरण ने हाथ जोड़कर कहा। मास्टर जी के तेवर बदल गए, 'अच्छा, तो आप हैं उसके पिता! धीरेंद्र तो एकदम नालायक है। कक्षा में पीछे बैठकर शोर मचाता है, दूसरों को पढ़ने नहीं देता और सुना है कि स्कूल के बाहर गलत लड़कों के साथ उठता-बैठता है। आप उसे घर पर कुछ कहते नहीं?'

भूशरण की आँखें झुक गईं। 'मास्टर जी, इसीलिए आपके पास आया हूँ। आप उसे समझाइए, थोड़ा डराइए। शायद आपकी बात मानकर वह सुधर जाए और सही रास्ते पर आ जाए।' फिर स्वर धीमा करते हुए उसने कहा, 'पर मास्टर जी, मेरा एक निवेदन है... उसे यह मत बताइएगा कि मैं शिकायत लेकर आया था।' मास्टर जी हैरान रह गए, 'क्यों भाई? आप उसके पिता हैं या कोई अजनबी? इतना डर क्यों? आजकल सरकार ने हमारे हाथ बांध रखे हैं कि हम बच्चों पर हाथ नहीं उठा सकते, पर आप तो उसे डांट सकते हैं।' भूशरण ने लाचारी से सिर हिलाया, 'मास्टर जी, आप नहीं समझेंगे। आजकल एक ही बेटा है। डर लगता है कि कहीं ज्यादा टोकने पर घर छोड़कर न भाग जाए या कुछ कर न बैठे। बस आप अपने स्तर पर देख लीजिए।' यह कहकर भूशरण एक अपराधी की तरह चुपचाप स्कूल से बाहर निकल आया। उसे नहीं पता था कि यह 'गोपनीयता' ज्यादा देर नहीं टिकेगी। दोपहर को जब धीरेंद्र स्कूल से लौटा, उसका चेहरा गुस्से से तमतमाया हुआ था। उसके दोस्तों ने उसे बता दिया था कि उसका 'बुड्ढा' बाप स्कूल में उसकी मुखबिरी करने आया था। घर में घुसते ही उसने जोर से बस्ता पटका। 'बापू! आपकी हिम्मत कैसे हुई स्कूल जाकर मेरी बुराई करने की?' धीरेंद्र चीखा। भूशरण के हाथ कांपने लगे, 'बेटा, मैं तो बस तुम्हारी भलाई के लिए...' 'चुप रहिए! आपने मुझे सबके सामने जलील किया है। अब देखिए मैं क्या करता हूँ!' धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई। रमी रोने लगी और भूशरण को कोसने लगी, 'क्यों गए थे स्कूल? देख लीजिए, अगर मेरे बेटे ने कुछ कर लिया तो मैं जान दे दूंगी।' भूशरण जो खुद डरा हुआ था, अब गिड़गिड़ाने लगा, 'बेटा धीरेंद्र, दरवाजा खोल दे। मैं कान पकड़ता हूँ, अब कभी स्कूल नहीं जाऊंगा। जो तू कहेगा वही होगा। बस बाहर आ जा।' घंटों के मिन्नतों के बाद धीरेंद्र ने दरवाजा खोला।

> धीरेंद्र चिल्लाता हुआ अपने कमरे में गया और दरवाजा अंदर से जोर से बंद कर लिया। शाम ढल गई। घर में चूल्हा नहीं जला। माँ रमी बार-बार दरवाजे पर दस्तक दे रही थी, 'धीरेंद्र बेटा, कुंडी खोल। देख माँ ने तेरे लिए परांठे बनाए हैं। बाहर आ जा बेटा!' अंदर से कोई आवाज नहीं आई।

उसके चेहरे पर जीत की कुटिल मुस्कान थी। उसने जान लिया था कि उसके माता-पिता उसके 'गुस्से' के गुलाम हैं। समय बीतता गया, पर धीरेंद्र की आदतें नहीं बदलीं। दसवीं कक्षा में पहुँचते ही उसने नई मांग रख दी-मोटरसाइकिल।' बाबूजी, मुझे स्कूल जाने के लिए बाइक चाहिए। मेरे सभी दोस्तों के पास है,' उसने आदेशात्मक लहजे में कहा। भूशरण ने समझाने की कोशिश की, 'बेटा, अभी दुकान की हालत ठीक नहीं है। थोड़ा रुक जा, ग्यारहवीं में दिला दूंगा। 'धीरेंद्र का पारा चढ़ गया, 'हमेशा का यही रोना है! आपके पास मेरे लिए पैसे नहीं होते। ठीक है, अब मैं घर तभी आऊंगा जब बाइक आएगी।' वह गुस्से में घर से निकल गया। रात के दस बजे, फिर ग्यारह... धीरेंद्र नहीं लौटा। रमी का रो-रोकर बुरा हाल था। मोहल्ले के लोग इकट्ठा हो गए। भूशरण पागलों की तरह गलियों में उसे ढूंढ रहा था। रिश्तेदारों ने धीरेंद्र को ढूंढने के बजाय भूशरण को ही उपदेश देना शुरू कर दिया, 'भाई साहब, जमाना बदल गया है। बच्चों को प्यार से रखना पड़ता है। उसकी जिद पूरी कर देते तो क्या बिगड़ जाता?' अगली सुबह धीरेंद्र एक पार्क में बेंच पर सोता हुआ मिला। जब वह घर आया, तो भूशरण ने उसे गले लगाने के बजाय उसके सामने आत्मसमर्पण कर दिया। 'बेटा, तू घर आ गया, यही बहुत है। मैं कल ही उधार लेकर तुझे बाइक दिला दूंगा।' उस दिन भूशरण ने अपनी मेहनत की कमाई और स्वाभिमान, दोनों को उस लोहे की मशीन के बदले बेच दिया। बाइक आने के बाद धीरेंद्र के पंख और निकल आए। अब वह रात-रात भर बाहर रहने लगा। उसकी आँखों के नीचे काले घेरे और चाल में लड़खड़ाते कदम बता रहे थे कि वह नशे के दलदल में धंस चुका है। एक रात जब वह घर आया, तो सीधे भूशरण के सामने जाकर खड़ा हो गया। मुँह से शराब की बदबू आ रही थी। भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था। रमी ने एक दिन सुझाव दिया, 'सुनो, इसकी शादी कर देते हैं। सिर पर जिम्मेदारी आएगी तो शायद सुधर जाए।' भूशरण ने ठंडी सांस भरी, 'रमी, हम अपनी बला किसी और के गले डालने जा रहे हैं। उस बेचारी लड़की का क्या दोष जिसे हम इस नर्क में झोंकेंगे?' पर ममता और उम्मीद के आगे तर्क हार गए। एक गरीब परिवार की सुशील लड़की 'शैला' से धीरेंद्र का विवाह कर दिया गया। शुरुआत में लगा कि शायद चमत्कार हो गया है। धीरेंद्र घर पर रहने लगा। पर यह शांति तूफान से पहले की खामोशी थी। जल्द ही उसने शैला को पीटना शुरू कर दिया ताकि वह अपनी माँ के गहने या मायके से पैसे लाकर उसे दे। भूशरण अपनी बहू की चीखें सुनता, पर वह इतना 'डरा-सहमा' था कि बीच-बचाव करने की हिम्मत नहीं जुटा पाता था। साल गुजरते गए। रमी का देहांत हो गया। भूशरण अब बिस्तर पकड़ चुका था। घर में अब एक नया सदस्य था—पोता 'अधीर'। अधीर जब बड़ा हुआ, तो उसने घर में क्या देखा? एक शराबी पिता जो माँ को मारता है और एक लाचार दादा जो बस कोने में पड़ा रहता है।

> भूशरण उसे देखकर कांप उठा, पर कुछ बोल न सका। वह बस दीवार की ओर मुँह करके सो जाने का नाटक करने लगा। उसे अपने ही घर में अपने ही बेटे से डर लगने लगा था।

अधीर ने वही सीखा जो उसने देखा। वह भी नशे की दुनिया में चला गया। एक शाम का दृश्य बड़ा भयानक था। धीरेंद्र नशे में धुत्त होकर घर आया। उसने रसोई में जाकर शैला को खाने के लिए गाली दी और हाथ उठाया।' आज तुझे मार ही डालूंगा, रोज का किच-किच खत्म!' धीरेंद्र ने जैसे ही हाथ हवा में लहराया, एक मजबूत हाथ ने उसकी कलाई को बीच में ही दबोच लिया। वह अधीर था। उसकी आँखों में वही खून सवार था जो कभी धीरेंद्र की आँखों में अपने पिता के प्रति होता था। अधीर ने धीरेंद्र की कलाई इतनी जोर से मरोड़ी कि वह घुटनों के बल बैठ गया।' खबरदार! अगर आज के बाद माँ पर हाथ उठाया तो यह हाथ सलामत नहीं रहेगा,' अधीर की आवाज में ऐसी दरिंदगी थी कि धीरेंद्र का नशा हिरन हो गया। वह कांपने लगा। उसने आज पहली बार वह डर महसूस किया जो उसका पिता भूशरण सालों से महसूस कर रहा था। बैठक के कोने में बैठा बूढ़ा भूशरण यह सब देख रहा था। उसकी धुंधली आँखों से आंसू बह निकले। उसने देखा कि समय ने खुद को दोहराया है। धीरेंद्र ने जो बोया था, आज वही फसल काट रहा था। भूशरण ने एक लंबी और ठंडी सांस ली और बुदबुदाया, 'परमात्मा! यह चक्र कब रुकेगा? काश मैंने शुरू में ही इसे सही रास्ता दिखाया होता, काश मैं इतना डरा हुआ बाप न होता।' बाहर अंधेरा गहरा रहा था और घर के अंदर 'जैसी करनी वैसी भरनी' का सत्य साक्षात खड़ा था।

पुस्तक समीक्षा

मन की अनवरत यात्रा का काव्य-संसार

समीक्षक

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

कविता वह विधा है जो मनुष्य के अंतर्मन की अनकही अनुभूतियों को शब्दों का स्पर्श देती है। जब कोई कवि जीवन के सामान्य अनुभवों में छिपे असाधारण भावों को सहज भाषा में अभिव्यक्त करता है, तब उसकी रचनाएँ सीधे पाठक के हृदय तक पहुँच जाती हैं। रविकांत राऊत एक ऐसे कवि हैं, जिनकी लेखनी जीवन के साधारण अनुभवों में भी असाधारण संवेदनाओं का स्पर्श खोज लेती है।

उनका कविता-संग्रह 'देह रुकी, मन बह चला' इसी संवेदनशील दृष्टि और सृजनात्मक परिपक्वता का सुंदर उदाहरण है। यह संग्रह केवल कविताओं का संकलन नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन की यात्रा का जीवंत दस्तावेज़ है। इस संग्रह में कुल 46 कविताएँ संकलित हैं। स्पर्श से पहले, ख्वाबों का मिलन, डर लगता है, पतझड़, स्त्री के मन की राहें,

अनाम ख़त, सत्य के अँधेरे में खिलते गुलाब, समय का सच, आत्मज्ञान, बोधिवृक्ष, रौशनी और कुछ तो बात रही होगी जैसी रचनाएँ जीवन के विविध रंगों को बड़ी आत्मीयता से सामने लाती हैं। हर कविता अपने भीतर एक अलग भावलोक रचती है और पाठक को कुछ देर ठहरकर स्वयं से संवाद करने के लिए प्रेरित करती है। इस संग्रह की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सरल, सहज और प्रवाहपूर्ण भाषा है। कवि ने कहीं भी अनावश्यक शब्दाडंबर या कठिन प्रतीकों का सहारा नहीं लिया। यही कारण है कि साहित्य के नए पाठक भी इन कविताओं को बिना किसी कठिनाई के पढ़ और समझ सकते हैं। संग्रह की एक और उल्लेखनीय विशेषता यह है कि प्रत्येक कविता आकार में अपेक्षाकृत छोटी होते हुए भी अपने भीतर गहरे अर्थ समेटे हुए है। कवि कम शब्दों में अधिक कहने की कला जानते हैं। यही कारण है कि इन कविताओं को पढ़ते समय ऐसा लगता है मानो वे किसी और की नहीं, हमारे अपने जीवन की ही कहानी कह रही हों।

वास्तव में रविकांत राऊत का यह संग्रह संवेदनाओं, आत्मीयता और जीवन-दर्शन का सुंदर संगम है। इसकी सरलता ही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है। यह पुस्तक पाठक के मन में लंबे समय तक अपनी छाप छोड़ती है और यह विश्वास जगाती है कि देह चाहे थम जाए, पर मन की यात्रा कभी नहीं रुकती।

कवि कॉर्नर

कविता | **प्रो. ज्योति राज**

तीन तिगाड़ा...

नहीं होती कायरों की कोई आवाज
न ही होते हैं उड़ने को कोई परवाज

बस रेंगते हैं जमीन पर मुँह ऊपर को उठा
कुढ़ते हैं उड़ते हुए बादल को देख
दिल पर लगा बैठते हैं दूसरों की दिलदारी

नहीं होती झूठों की कोई जमीन
न ही होते हैं उनकी झूठ के कोई पाँव

बस शर्मसार करते हैं सच को बारम्बार
उड़ाते हैं सत्य को मिथ्यावादिता के आवरण
परोस कर लाते हैं बकबका मीठा सा बना कर

नहीं होती जिह्वाखोरों की कोई लगाम
न ही होते हैं कोई नियम क़ानून क़ायदे

बस फिसल जाती है जीभ मक्खनी मलाई सी
चटखारे लेने की जद में भूल जाते हैं तहज़ीब सारी
मुँह खोल बेहूदगी से चबाते हैं लफ़्ज़ों की तरकारी

नहीं होती हजम इन तीनों से वफ़ादारी की खुराक
न ही होते हैं ये तंदुरुस्त खाकर भरोसे की बूटी
ये तिगड़ी नहीं ला पाती कोई बड़ा जलजला

इनका प्रभाव सीमित समय के लिए जरूर होता है
यही क्षणिक पोषण इन्हें जिंदा बनाए रखता है

कविता | **डॉ. कमलेश मलिक**

पावस की सौगात

बीते दिनों के उदासीन बादल
गहरी उमस से उलझने लगे हैं

शोर मचा है बाहर भीतर
जब से पावस ऋतु है आई
प्रतीक्षारत थीं कब से आंखें
प्यासी धरा ने ली अंगड़ाई

जतन से ढके थे अंगार हमने
पवन की छुवन से सुलगने लगे हैं

माटी ने सोंधी खुशबू बिखेरी
भंवरों ने छेड़ा राग सुहाना
फूलों से मिलकर मकरंद लेने
तितली ने ढूंढा सुंदर बहाना

विधना की रचना कितनी निराली
हम भी कुछ कुछ समझने लगे हैं

वर्षा की बूंदे बरसें छमाछम
चातक रटे है पीहू- पीहू
नाचे मयूरा मदमस्त होकर
कोयल भी गाये कुहू- कुहू

बारिश ने पुलकित किया सृष्टितन
उपवन के अवयव संवरने लगे हैं

चंपा-चमेली, गुड़हल की लाली
बोलो तुम्हें क्या सौगात दे दें
आंसू के जल से गीला आंचल
बस अंजलि भर बरसात दे दें

अंतरघट में सहेजे हुए जो
उद्गार भी अब छलकने लगे हैं

दरवाज़े पर ईगो की दस्तक

व्यंग्य | **आसिम अनमोल**

मैं ईगो हूं। मुझसे भली भांति सब परिचित हैं ही। मैं जिधर से गुज़रता हूं। लोगों की दृष्टि झुककर सलाम करने के लिए व्याकुल हो जाती है। लोग रोटी कम खाते हैं। भय ज्यादा खाते हैं मुझसे। समाज के घिसे-पिटे नियम क़ायदों से मेरा कोई लेना-देना नहीं होता। यह सब आम जनमानस के लिए बने हैं। मुझे नैतिक शास्त्र से कोई मतलब नहीं।

मैं दबाव शास्त्र में विश्वास करता हूं। मेरी जिधर से राह गुज़र होती है। वो रास्ते कर्फ्यू में तब्दील हो जाते हैं। ईगो का अपना सोचना है कि हम जितने सरल मानसिकता के होंगे, समाज उतना ही मुझे निगलने का प्रयास करेगा। इसलिए हम कठोर बने रहने की अहम भूमिका निभाने में जी-जान से लगे रहते हैं। कोई हमें कोसे या मुझ पर लाख़ टिप्पणी करता रहे। मुझ पर कोई सामाजिक या आसामाजिक असर नहीं पड़ता। बल्कि मेरे ईगो में सकारात्मक इज़ाफ़ा होता है। ईगो का अपने परिचितों के यहां आना-जाना भी ईगो की अपनी मर्जी पर निर्भर करता है। एक रोज़ ईगो का अपने ख़ास परिचित के यहां जाना हुआ। ईगो दरवाज़े पर पहुंचकर बोला, दरवाज़ा खोलो मैं ईगो हूं। अरे, आप मेरे द्वार पर? विश्वास ही नहीं हो रहा। आइए आइए। परिचित ने आश्चर्य से दरवाजा खोलते हुए कहा। मूड तो नहीं हो रहा था, बस यूं ही चला आया। ईगो ने अपनी ईगो दिखाते हुए कहा। चलिए आप आ ही गये ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। चाय बनवाता हूं आपके लिए, परिचित ने चाय ऑफर की। जैसे महंगाई आसमान छू रही है,वैसे ही ईगो का रेट बढ़ाते हुए कहा। नहीं, मैं चाय-वाय नहीं लेता। शुगर का ख्याल रखता हूं। बादाम-पिश्ते की दुद्धी पीकर आ रहा हूं। फल वगैरा भी जस्ट अभी खाए हैं। तुम्हारी चाय डियू रही, भविष्य में जरूर पीएंगे। कुर्सी पर बैठे हुए ईगो ने टांग पर टांग रखते हुए और सिगरेट को लाइटर से जलाते हुए अपनी ईगो में और चार चांद लगाये। आप शर्मा जी की बेटी की शादी के रिसेप्शन पर तो जाएंगे न ? पड़ोसी होने के नाते मैंने यूं ही पूछ लिया। पहली बात मेरे पास टाइम का झंझट बहुत है। दूसरी बात, शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता। ईगो ने अपने सम्मान के विपरीत न जाने की अपनी जन्मजात बीमारी का खुलासा किया। परिचित ने पूछा, यह बताइए कि आप इतना कम क्यों बोलते हैं? समाज अक्सर यदा-कदा आपके बारे में टिप्पणी करता रहता है। मैंने सहानुभूति जताते हुए ईगो से जुड़ने की कोशिश की। समाज को क्या पता मेरी मार्केट वैल्यू क्या है? किसी की तो है नहीं इसलिए किसी को अपनी परवाह क्यों हो भला। मुझे अपनी ईगो की टीआरपी बढ़ानी होती है। इसलिए इसमें खामोशी अख्तियार करना, गलतियां और सम्बन्ध बिगाड़ने जैसे बड़े-बड़े योगदान देने पड़ते हैं। इन सबमें कितनी मेहनत और कौशल छिपा होता है, ये गैर ईगो समाज क्या जाने। ईगो ने अपनी उच्च कोटि की गुणवत्ता का बखान करते हुए बड़े ही खूबसूरती से प्रकाश डाला। लेकिन सुनने में ये भी आता है कि आप भावनात्मक पहलू पर बिल्कुल ध्यान नहीं देते? परिचित ने फिर कुरेदा। मेरी ईगो इतनी लचीली और कमजोर नहीं है, जो भावनाओं का शिकार होती फिरे। ईगो तो ईगो होती है। बिल्कुल सरकार की मानिद जैसा मन होता है वैसा करती है। उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता। यहां तक कि कई बार ऐसा होता आया है कि पति-पत्नी के टूटते रिश्तों में भी ईगो ने अपनी महति भूमिका निभाई है।

> *शर्मा दरवाजे पर लड़के को कार्ड थमा कर चला गया। क्या मुझे नहीं दे सकता था? मैं खा तो नहीं जाता उसे। हां, थोड़ा बहुत अपनी ईगो का ख्याल रखते हुए उसे घूर कर अपना हाईप्रोफाइल दरवाजा जरूर बन्द कर लेता और इससे ज्यादा क्या करता?*

मोटिवेशनल

भीतर की जीत से शुरू होता है नई राहों का सफर

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा जीवन अपने जीवन का सबसे परिवर्तनशील दौर जी रहा है। एक ओर अनगिनत अवसर सामने हैं, तो दूसरी ओर प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता का दबाव। हर दूसरे कदम पर तुलना, सोशल-मीडिया की चमक, और "तुरंत सफलता" का प्रलोभन युवाओं को भीतर से थका देता है। ऐसे समय में यह समझना ज़रूरी है कि नई राहों का सफर बाहर की दुनिया से नहीं, बल्कि भीतर की मानसिक शक्तियों से शुरू होता है। सफलता का असली रथ 'प्रतिभा' नहीं, बल्कि दृढ़ता, निरंतरता एवं धैर्य है। हमारी पीढ़ी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि अवसर कम हैं, बल्कि यह है कि मन बिखरा हुआ है। कई बार युवा अपने हुनर या सपने से पहले ही हार मान लेते हैं, सिर्फ़ इसलिए कि उन्हें लगता है कि राह कठिन है। जबकि सच यह है कि हर कठिन राह के पीछे किसी बड़ी जीत की संभावना छिपी होती है। दुनिया का हर सफल इंसान पहले असफल व्यक्ति रहा है जो डटा रहा, टिका रहा और सीखता रहा। आज तकनीक ने नई दिशाएँ खोली हैं। कौशल सीखना पहले जैसा मुश्किल नहीं रहा। आज एक मोबाइल फोन से हजारों कोर्स, मार्गदर्शन और प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध है, लेकिन सब कुछ उपलब्ध होने के बावजूद बहुत से युवा आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? क्योंकि व्यक्ति तभी बढ़ता है, जब उसके अंदर 'स्व-अनुशासन' पैदा होता है। परिस्थितियाँ नहीं, मानसिकता रास्ता तय करती है। जो व्यक्ति खुद को बदलने का साहस जुटा लेता है, दुनिया की कोई ताकत उसे रोक नहीं सकती। हर कौशल, हर करियर और हर मंजिल की शुरुआत एक छोटे से कदम से होती है और वह कदम है आत्मप्रेरणा। कोई भी बाहरी शक्ति उतना बड़ा फर्क नहीं ला सकती, जितना फर्क आपका अपना मन, अपनी सोच और अपनी निरंतरता ला सकती है। यही कारण है कि आज के समय में सबसे बड़ा निवेश "डिग्री" नहीं बल्कि सीखने की आदत, काम के प्रति अनुशासन और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण है। जो युवा इन तीन चीजों को साध लेता है, वह किसी भी नौकरी, किसी भी उद्योग, किसी भी परीक्षा में अपना स्थान बना सकता है। युवाओं को बस यह याद रखना चाहिए कि सपने तभी पूरे होते हैं, जब हम उनके लिए भीतर से तैयार हों। जीत वहीं लिखी जाती है, जहां मन हिम्मत नहीं छोड़ता। नई राहों के अवसर पहले से अधिक हैं, बस कदम बढ़ाने की जरूरत है।

लघु कथा

किरकिरी

नील मणि

कहानीकार

विश्वविद्यालय में जल दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी से लौटते हुए राहुल के शब्दों में बेचैनी थी।

'बचपन से सुन रहे हैं— गरीबी हटाओ, जल बचाओ, विकास लाओ। हर साल बाढ़ आती है, हर गर्मी में पानी का संकट खड़ा हो जाता है। बदलता क्या है? बस सरकारी रिपोर्टों के आँकड़े।'

रमेश ने कहा, 'समस्या केवल बारिश की नहीं, व्यवस्था की है।'

बात वहीं खत्म नहीं हुई।

अगले सप्ताह सोलह जागरूक छात्रों ने एक समूह बनाया। शहर के सोलह मोहल्ले चुने। उन्होंने तय किया कि शिकायत नहीं, शुरुआत करेंगे। घर-घर गए, लोगों को समझाया कि शहर को लंदन बनाने से पहले शहर को अपने ही देश की प्राचीन सभ्यता मोहनजोदड़ो के ड्रेनेज सिस्टम जैसी बेहतरीन व्यवस्था अपनाने की जरूरत है। साथ ही पिन्नियों,प्लास्टिक को टाटा बाय करने की जरूरत है; जिससे जल का प्राकृतिक बहाव बना रहे।

जल निकासी व्यवस्था और जल संरक्षण व्यवस्था सुचारू करने के लिए घर व छतों का जल पाइपों से पार्कों और रिचार्ज गड्ढों तक पहुँचाया जाए। छात्रों ने घर-घर जाकर चंदा इकट्ठा किया; निवासियों को विश्वास में लिया और साथ में निवासियों का अनुभव भी जोड़ा। छात्रों ने वर्षा जल संचयन विशेषज्ञ को भी साथ लिया।

कुछ महीनों बाद मानसून आया।

इस बार वही मोहल्ले पानी में नहीं डूबे। हैंड-पंपों का जल-स्तर ऊपर आया। पार्क हरे थे, गलियाँ सूखी थीं।

स्थानीय अख़बार ने शीर्षक छापा—

'जहाँ सरकार नहीं पहुँची, वहाँ छात्रों ने व्यवस्था को पहुँचा दिया।'

शैतानी वर्ग के बड़े ठेकेदारों और व्यापारियों के कान खड़े हो गए और वह छात्र समूह शैतान वर्ग की आँखों की किरकिरी बन गया।

कुछ हटकर

यूएक्स डिजाइन : युवाओं में शानदार करियर विकल्प

सेंट्रल डेस्क

करियर

डिजिटल युग में लगभग हर काम मोबाइल एप और वेबसाइट के माध्यम से होने लगा है। चाहे ऑनलाइन खरीदारी हो, बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं या सरकारी योजनाएं, हर जगह उपयोगकर्ताओं को आसान और बेहतर अनुभव देने पर जोर दिया जा रहा है। यही कारण है कि यूएक्स (यूजर एक्सपीरियंस) डिजाइन आज सबसे तेजी से उभरते करियर विकल्पों में शामिल हो गया है। इस क्षेत्र में ऐसे पेशेवरों की मांग बढ़ रही है, जो डिजिटल उत्पादों को उपयोगकर्ता के लिए सरल, सुविधाजनक और प्रभावी बना सकें। यूएक्स का पूरा नाम यूजर एक्सपीरियंस है।

इसका अर्थ है किसी वेबसाइट, मोबाइल एप या डिजिटल उत्पाद का उपयोग करते समय उपयोगकर्ता को कैसा अनुभव होता है। यूएक्स डिजाइनर का काम यह सुनिश्चित करना होता है कि उपयोगकर्ता बिना किसी परेशानी के अपना काम आसानी से पूरा कर सके।

विशेषज्ञताएं

यूएक्स डिजाइनर केवल स्क्रीन को आकर्षक बनाने का काम नहीं करता, बल्कि वह उपयोगकर्ताओं की जरूरतों और व्यवहार को समझकर पूरे उत्पाद को बेहतर बनाता है। उसके प्रमुख कार्य हैं।- उपयोगकर्ताओं की जरूरतों का अध्ययन करना।

- वेबसाइट या एप का प्रारंभिक खाका (वायरफ्रेम) तैयार करना।
- प्रोटोटाइप बनाकर उसकी जांच करना।
- उपयोगकर्ताओं से फीडबैक लेकर सुधार करना।
- डेवलपर्स और यूआई डिजाइनरों के साथ मिलकर अंतिम उत्पाद तैयार करना।

आवश्यक कौशल

- रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता
- उपयोगकर्ता व्यवहार को समझने की योग्यता-संचार कौशल
- डिजाइन थिंकिंग-फिग्मा, एडोबी एक्सडी जैसे डिजाइन टूल्स की जानकारी
- टीम में काम करने की क्षमता

प्रमुख सरकारी संस्थान

- प्रमुख सरकारी संस्थान-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन (एनआईडी) – अहमदाबाद, गांधीनगर, बेंगलुरु, भोपाल, आंध्र प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न परिसरों में डिज़ाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) बॉम्बे
- इंडस्ट्रियल डिज़ाइन सेंटर (आईडीसी) में यूजर एक्सपीरियंस और इंटरैक्शन डिज़ाइन से संबंधित कार्यक्रम।
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) गुवाहाटी– डिज़ाइन विभाग में यूजर-केंद्रित डिज़ाइन शिक्षा।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी)– डिजिटल और इंटरैक्शन डिज़ाइन से जुड़े पाठ्यक्रम।

कितना मिलता है वेतन

- फ्रेशर: लगभग 4 से 8 लाख रुपये प्रतिवर्ष-2 से 5 वर्ष का अनुभव : 8 से 18 लाख रुपये प्रतिवर्ष-अनुभवी यूएक्स डिज़ाइनर:
- 20 लाख रुपये या उससे अधिक वार्षिक पैकेज प्राप्त कर सकते हैं।
- भविष्य उज्ज्वल : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन कारोबार के विस्तार के साथ यूएक्स डिज़ाइनरों की मांग तेजी से बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में यह क्षेत्र युवाओं के लिए सबसे अधिक अवसर देने वाले करियर विकल्पों में शामिल रहेगा।

खबर संक्षेप

गांव मंढाणा में महिलाओं ने किया पौधरोपण

नारनौल। गांव मंढाणा के माता मंदिर परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कटहल, आम, पीपल आदि की पौध माताओं व बुजुर्ग महिलाओं के हाथों से लगवाई गई। इस अवसर पर गांव की माताओं और वरिष्ठ महिलाओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति के प्रति सम्मान और मातृत्व के योगदान को स्मरण करना है। पौधरोपण के माध्यम से गांव में हरियाली बढ़ाने तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने का संकल्प लिया गया।

खालड़ा में गोमाता के लिए लगाई सवामणियां

नारनौल। गोसेवा मंडल के सान्निध्य में श्रीकृष्ण प्रणामी गोशाला खालड़ा में गोमाता की सेवा हेतु हरे चारे की तीन सवामणियां लगाई गई। पहली सवामणी स्वर्गीय हरि सिंहयादव की पुण्यतिथि पर उनके परिवार द्वारा, दूसरी रोहतास कुमार व उनकी पत्नी मुकेश देवी की ओर से अपने पौत्र दरस के जन्मदिन तथा तीसरी सवामणी विनीत पिलानिया की ओर से गोमाता की सेवा में समर्पित की गई।

शहीदों के वारिसों को दो-दो लाख रुपये देने की मांग

कारगिल दिवस पर प्रजा भलाई संगठन ने किया शहीदों को याद

अनेक शहीद स्मारक हुए जर्जर

नारनौल। नेताजी अतरलाल के नेतृत्व में शहीदों को नमन करते कार्यकर्ता। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

कारगिल विजय दिवस पर प्रजा भलाई संगठन ने इलाके के शहीदों को याद किया। संगठन सुप्रीमो प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गांव सिहोर में शहीद सत्यपाल सिंह, शहीद अशोक कुमार, गांव कोटिया में शहीद हनुमान सिंह, ककराला के शहीद शिव कुमार, शहीद लाल सिंह तथा शहीद लालाराम, उन्हानी गांव के शहीदों परमेंद्र सिंह, शहीद चितरूराम, खरखड़ाबास के शहीद अशोक कुमार, शहीद अफलल सिंह, शहीद हरस्वरूप सिंह, शहीद रमेश सिंह, धनौंदा के शहीद महेशपाल सिंह, शहीद सचिन शर्मा की मूर्तियों पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। अतरलाल ने कहा कि यह इलाका वीर सैनिकों और रणबांकुरों का है। कारगिल युद्ध में भी जिले के नौ वीर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहादत दी थी। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से शहीदों के स्मारकों के रखरखाव, मरम्मत व नवीनीकरण के लिए शहीदों के वारिसों को दो-दो लाख रुपये की ग्रांट देने की मांग की। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध को 30 साल हो गए हैं। इस दौरान अनेक शहीद स्मारक जर्जर तथा खस्ताहाल हो चुके हैं। इसलिए सरकार को उनके नवीनीकरण की तरफ ध्यान देना चाहिए। उन्होंने सेना भर्ती में हरियाणा का कोटा बढ़ाने की भी मांग की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कैलाश सेठ, राजेंद्र पंच, शिवलाल, सतवीर, राजेंद्र सिंह नंबरदार, डॉ. मुकेश तंवर, हीरालाल, प्रमोद शर्मा, सतपाल, नरेश, श्यामलाल, मामन सिंह, राकेश यादव आदि उपस्थित थे।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

कनीना। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर रविवार को वॉर मेमोरियल युद्ध स्मारक पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के पूर्व सैनिकों व स्थानीय नागरिकों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर 1999 के कारगिल युद्ध में अदम्य साहस दिखाने वाले वीर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरूआत वॉर मेमोरियल पर पुष्पचक्र व फूलमालाएं चढ़ाकर की गई। सभी पूर्व सैनिकों ने देश के वीर सपूतों की याद में दो मिनट का मौन रखा और उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। इस दौरान उपस्थित पूर्व सैन्य अधिकारियों ने कहा कि भारतीय सेना के जवानों ने कारगिल की दुर्गम व बर्फीली चोटियों पर जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया था, वह पूरे देश के लिए गर्व का विषय है। वीर जवानों ने अदम्य साहस के साथ दुश्मनों को खदेड़कर ही दम लिया था। इस मौके पर पूरा माहौल 'भारत माता की जय' और 'कारगिल के शहीद अमर रहें' के नारों से गूंज उठा। इस मौके पर कप्तान भरपूर सिंह, सूबेदार रणवीर सिंह आदि उपस्थित थे।

युवाओं को सैनिकों से प्रेरणा लेने की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। शहीद की प्रतिमा पर माला अर्पण करते समाजसेवी डॉ. गजेसिंह चोपड़ा। फोटो : हरिभूमि

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर तोताहेड़ी में शहीद सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें डॉ. गजेसिंह चोपड़ा मुख्य रूप से मौजूद रहे, उन्होंने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद उनके परिजनों को सम्मानित किया। इस दौरान युवाओं को राष्ट्रहित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का साहस, पराक्रम और शहादत पूरे विश्व में विख्यात है। सैनिकों ने विषम परिस्थितियों में भी दुश्मन सेना को परास्त करके तिरंगे की शान बढ़ाई है। पाकिस्तानी सेना और आंतकियों ने मौके का लाभ उठाकर कारगिल की पहाड़ियों पर बंकर बनाकर कब्जा कर लिया। हजारों फिट की ऊंचाई पर दुश्मनों को खदेड़ना संभव नहीं था, लेकिन सैनिकों ने सहास पूर्वक संघर्ष किया तथा दुश्मनों को कारगिल से भागने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक अनुशासन में सर्वोपरी हैं, जिन्होंने सीमा सुरक्षा के साथ आपातकाल में आंतरिक हालातों में जनसेवा की है। तोताहेड़ी निवासी शहीद सत्यनारायण ने 2015 में आंतकियों की घेराबंदी के बावजूद साहस पूर्वक मुकाबला किया तथा 18 आंतकियों को मारकर लोहा मनवाया था। उन्होंने कहा कि युवाओं को सेना के साहस, सेवा व समर्पण भावना से प्रेरणा लेने की जरूरत है। कार्यक्रम में ओमप्रकाश मांडैया आदि मौजूद रहे।

आरती राव के अथक प्रयासों से विकास को मिली गतिः यादव

मंडी अटेली। ग्रीवेंस कमेटी सदस्य एडवोकेट बबली यादव ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से अटेली क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि मंत्री द्वारा किए गए वादों को समय पर पूरा करना उनकी कार्यशैली को दर्शाता है, जिससे आमजन का सरकार पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

मंडी अटेली। एडवोकेट बबली यादव।

बबली यादव ने विशेष रूप से बाघोत में तैयार हुए 33 केवी बिजली घर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना वर्षों से लंबित थी, जिसे अब पूरा कर क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिली है।

महेंद्रगढ़। खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

खंड स्तरीय खेल प्रतियोगिता में छाए एसपीजी आईएएस के छात्र

महेंद्रगढ़। खंड स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में डुलाना चितलांग रोड स्थित एसपीजी आईएएस के छात्र एवं छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल गांव व माता-पिता का नाम रोशन किया। खेलकूद प्रतियोगिता में अंडर 14 में कशिश पुत्री राकेश ने हाई जंप में प्रथम स्थान प्राप्त किया, भाविका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर रेस में अर्पित ने दूसरा स्थान किया। अंडर-19 में ट्रिपल जंप में भाग सिंह ने दूसरा स्थान तथा अश्वनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया अंडर 17 में ट्रिपल जंप में प्रदीप ने तीसरा स्थान तथा 3000 मीटर रेस में अश्विनी ने तीसरा स्थान तथा शॉट पुट में अर्पित ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। चेयरमैन डॉक्टर विरेंद्र राव ने सभी बच्चों एवं कोच श्रवण कुमार को इस उपलब्धि और बधाई देते हुए सम्मानित किया और भविष्य में इसी प्रकार आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

शिक्षक अभिभावक बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनाना : वेदपाल

नारनौल। जिले के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में शामिल श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में रविवार को सत्र 2026-27 की जूनियर विंग की प्रथम अभिभावक-अध्यापक बैठक (का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के लगभग 830 अभिभावकों ने विद्यालय पहुंचकर अपने बच्चों के शैक्षणिक स्तर, अनुशासन, गतिविधियों एवं प्रगति की जानकारी प्राप्त की। पीटीएम के दौरान अभिभावकों व अध्यापकों के बीच विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य को लेकर सकारात्मक संवाद हुआ। प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि पीटीएम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों और अध्यापकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर एवं जिम्मेदार बनाना है। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने अध्यापकों से प्रत्येक विद्यार्थी के साथ समान एवं सकारात्मक व्यवहार रखने का आह्वान किया। प्राइमरी हेड उमा यादव ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के अवसर भी प्रदान किए जा रहे हैं, ताकि वे प्रत्येक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

आरपीएस में जिला स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में दमखम दिखाते खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस सीनियर सेकेंडरी स्कूल खातोद में जिला स्तरीय स्कूली खेल प्रतियोगिता का शानदार और भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्यातिथि खंड शिक्षा अधिकारी जगमाल सिंह एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे खेल सचिव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर खेल उत्सव का आगाज किया। कार्यक्रम की शुरुआत में स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया, जिससे पूरा परिसर खेल के उत्साह और ऊर्जा से सराबोर हो उठा। पहले दिन स्केटिंग, टेबल टेनिश, बैडमिंटन और फुटबॉल में लड़कियों की खेल प्रतियागिताएं हुई तथा अब 27 को लड़कों के वर्ग में अंडर 14, 17, 19 की उक्त प्रतियागिताएं होंगी। खंड शिक्षा अधिकारी जगमाल सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद जीवन का अभिन्न अंग हैं। खेल न केवल शारीरिक व मानसिक विकास करते हैं, बल्कि हमें अनुशासन और टीम भावना सिखाते हैं, जो जीवन की हर चुनौती से निपटने में मददगार साबित होती हैं। वहीं, खेल सचिव व प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि आरपीएस ग्रुप की चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, ग्रुप सीईओ इं. मनीष राव तथा डिप्टी सीईओ कुनाल राव की दूरगामी सोच और कुशल प्रबंधन के चलते ही आयोजन को भव्य रूप दिया जा सका है।

बैडमिंटन प्रतिभागियों का आंकड़ा और खेल परिणाम

बालिका वर्ग की बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिले भर से कुल 89 छात्राओं ने हिस्सा लिया, अंडर-14 आयु वर्ग में 24 प्रतिभागी, अंडर-17 आयु वर्ग में 40 प्रतिभागी और अंडर-19 आयु वर्ग में 25 प्रतिभागी, टेबल टेनिस प्रतियोगिता में कुल 12 छात्राओं ने अपना कौशल दिखाया जिनमें अंडर-14 आयु वर्ग में 5 प्रतिभागी, अंडर-17 आयु वर्ग में 3 प्रतिभागी, अंडर-19 आयु वर्ग में 4 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

आरपीएस महेंद्रगढ़ का तीनों आयु वर्गों में एकतरफा दबदबा

मैदान पर हुए रोमांचक मुकाबलों में आरपीएस महेंद्रगढ़ की छात्राओं ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन के तीनों आयु वर्गों में परचम लहराया। जिले की अंडर-17 में 5 खिलाड़ियों की टीम में 2 लड़की आरपीएस महेंद्रगढ़, 1 लड़की एसडी ककराला, 1 लड़की आरपीएस नारनौल और 1 लड़की हैप्पी स्कूल महेंद्रगढ़ से चयनित की गई।

न्यूज डायरी

सैनिक सेवा से सेवानिवृत हो सकता है, लेकिन उसका जज्बा उम्रभर रहता है साथ : कटेवा

नारनौल। सिंघानिया विश्वविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशभक्ति, शौर्य एवं बलिदान को समर्पित भव्य समारोह का आयोजन रविवार किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर के खेल मैदान का नाम रेजांगला खेल मैदान रखकर उसका लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में कारगिल एवं रेजांगला युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह के दौरान कारगिल एवं रेजांगला युद्ध के शहीदों की वीर वीरांगनाओं को सम्मानित किया गया। पूरे कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति और सैनिक सम्मान का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विश्वविद्यालय के कैम्पस डायरेक्टर प्रो. डॉ. पीएस जस्सल ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एस.पी.एस. कटेवा ने सैनिकों एवं शहीदों के सम्मान में इस भव्य आयोजन के लिए सिंघानिया विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में रेजांगला एवं कारगिल युद्ध की गौरवगाथा सुनाते हुए कहा कि सैनिक सेवा से सेवानिवृत्त हो सकता है, लेकिन राष्ट्रसेवा का उसका संकल्प और सैनिक का जज़्बा जीवनभर उसके साथ रहता है।

महेंद्रगढ़ शहर में पहली बार निकाली भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

महेंद्रगढ़। शहर में रविवार को पहली बार भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा अत्यंत धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ आयोजित की गई। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर पिछले एक सप्ताह से नगरवासियों में भारी उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ था। यात्रा का शुभारंभ प्राचीन शिव मंदिर व सैनी सभा (मोहल्ला सैनीपुरा) से हुआ। फूलों और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाए गए भव्य रथ को खींचने के लिए श्रद्धालुओं, बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों में होड़ सी मची रही। यात्रा में स्थानीय संत-महात्माओं के साथ-साथ विदेशी महिला श्रद्धालुओं ने भी हिस्सा लिया, जिन्होंने ढोल-मंजीरों की धुन और भजनों पर नृत्य कर भगवान का गुणगान किया। रथयात्रा भगवान परशुराम चौक, बालाजी चौक और माता मसानी चौक से होते हुए गोशाला रोड स्थित राजा मैरिज पैलेस पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में जगह-जगह पक्की रंगोलियां बनाई गई थीं ।

महेंद्रगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पटल पर चमकें, यही हमारा प्रयासः विक्रम

महेंद्रगढ़। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में स्थानीय श्रीकृष्णा स्कूल में तीन दिवसीय जिला स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। इस खेल महाकुंभ में जिलेभर के विभिन्न स्कूलों से आए मुक्केबाजों ने अपनी खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के पहले दिन मुख्य रूप से लड़कियों के वर्ग के मुकाबले आयोजित किए गए, जिसमें खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एईओ विक्रम सिंह और डा. हंसराज उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि की भूमिका डॉ. बीरसिंह यादव ने निभाई, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्राचार्य रवि प्रकाश ने की। बॉक्सिंग खेल प्रशिक्षक महिपाल यादव और कोच उत्तम सिंह ने बताया कि यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 25 से 27 जुलाई तक चलेगी। पहले दिन लड़कियों के नाकआउट मुकाबले हुए, जबकि 27 जुलाई को लड़कों के बॉक्सिंग के रोमांचक खेल करवाए जाएंगे।

बलिदानी रोहतास के नाम पर होगा चंदपुरा स्कूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंदपुरा का मुख्य गेट। फोटो : हरिभूमि

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चंदपुरा का नाम अब बदलकर बलिदानी रोहतास सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के नाम से जाना जाएगा। यह बदलाव केवल एक नाम का परिवर्तन नहीं है, बल्कि यह एक परिवार के अथक संघर्ष कानूनी लड़ाई और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि की एक प्रेरणादायक दास्तान है। बलिदानी रोहतास सिंह के पुत्र सुरेश कुमार ने अपने पिता के सम्मान और उनकी स्मृति बनाए रखने के लिए विद्यालय का नामकरण उनके नाम पर कराने का बीड़ा उठाया था। इसके लिए उन्हें करीब दो साल 11 माह तक सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़े। कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाने और बार-बार आग्रह करने के बावजूद जब कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो न्याय पाने के लिए उन्हें पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। अदालत में मामला पहुंचने के बाद प्रशासन हरकत में आया। यह लंबी कानूनी लड़ाई इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प और न्याय के मार्ग पर चलने से सत्य की ही जीत होती है।

औपचारिकताएं की जा रही हैं पूरीः प्राचार्य

विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र प्रसाद के अनुसार नाम परिवर्तन से संबंधित आधिकारिक पत्र प्राप्त हो चुका है तथा सभी जरूरी औपचारिकताएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। विद्यालय भवन पर आधिकारिक रूप से नया नाम अंकित कर दिया जाएगा। विद्यालय परिसर में शहीद के नाम का नया बोर्ड स्थापित किया जाएगा।

पटीकरा में हरित वसुंधरा का पौधरोपण अभियान

नारनौल। हरित वसुंधरा आधार समिति की ओर से गांव पटीकरा की श्मशान भूमि परिसर में लगातार तीसरा पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण व क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से 101 छायादार व फलदार पौधे रोपे गए। पौधरोपण अभियान का शुभारंभ विधायक ओमप्रकाश यादव ने किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधरोपण के साथ-साथ पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण को भी आवश्यक बताया। इस मौके पर मनीष कुमार, योगेश कुमार यादव, ऋतु भास्कर गंगवाल, बाबा ध्यानचंद निहालचंद सेवादल पटीकरा से संदीप यादव एवं टीम, हरित वसुंधरा आधार समिति के सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व मंत्री रामबिलास के जन्मदिन पर रामायण पाठ का समापन

महेंद्रगढ़। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर उनके पैतृक गांव स्थित बाबा भूरास्ता मंदिर राठीवास देवराली में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। मंदिर के पुजारी द्वारा शनिवार प्रातः प्रारंभ किए गए रामायण पाठ का रविवार को विधिवत समापन हुआ। प्रो. रामबिलास शर्मा के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया तथा श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम के उपरांत मंदिर परिसर में उपस्थित ग्रामीणों ने केक काटकर जन्मदिवस मनाया। इसके साथ ही श्री गोपाल गौशाला, बुचियावाली में भी प्रो. रामबिलास शर्मा के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना के लिए सवामणी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंदिर कमेटी के प्रधान दीपक ठेकेदार, विक्की खजांची, महेश शर्मा, उर्मिला शर्मा, पूर्व सरपंच वीरेंद्र, सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर रोहतास, दलीप तंवर, डॉ. रामकरण, भीम सिंह, अनिल, प्रदीप, सुभाष, प्रीतम चौहान, रजत चौहान, अंकुश सहित राठीवास एवं देवरानी के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

शांतिनाथ दिंगबर जैन मंदिर में हुई भव्य धर्मसभा, बड़ी संख्या में रहे श्रद्धालु

त्याग और संयम से ही खुलता है मोक्ष मार्गः सानंद सागर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। प्रवचन सुनते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्री 1008 शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर नलापुर में रविवार को धर्मसभा का आयोजन किया गया। प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने बताया कि मुनि विभोर सागर महाराज, सानंद सागर महाराज, महत सागर महाराज के प्रवचन दिए। जिन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। धर्म सभा को संबोधित करते हुए मुनि महत सागर महाराज ने कहा कि अनादिकाल से असंख्य आत्माएं संसार में भटक रही हैं, क्योंकि उनका लक्ष्य आत्मा की प्राप्ति के स्थान पर बाहरी पदार्थों की प्राप्ति बन गया है। मुनि ने कहा कि भगवान की आराधना, गुरु सेवा, स्वाध्याय, तप, संयम और तीर्थयात्रा किसी सांसारिक उपलब्धि के लिए नहीं, बल्कि आत्मा को उसके शुद्ध एवं वास्तविक स्वरूप तक पहुंचाने के साधन हैं। उन्होंने कहा कि धर्म का प्रत्येक कार्य आत्मकल्याण की दिशा में उठाया गया पवित्र कदम है। मुनि महत सागर महाराज ने सरल उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कोई व्यक्ति अपनी ही जेब से धन निकालता है, तो उसे चोरी नहीं कहा जाता, उसी प्रकार आत्मकल्याण के लिए की जाने वाली आराधना भी कर्मबंधन का कारण नहीं बनती। बंध तब उत्पन्न होता है, जब मनुष्य भौतिक सुखों, परिग्रह, विषय-वासनाओं और सांसारिक आसक्तियों की कामना करता है। मुनि विभोर सागर महाराज ने कहा कि जिस निष्ठा, परिश्रम और समर्पण के साथ मनुष्य व्यापार, व्यवसाय व पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करता है।

कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित

मुनि सानंद सागर महाराज ने कहा कि जिनेंद्र भगवान के वचन औषधि के रूप में काम करते हैं। इसके माध्यम से तन व मन दोनों स्वस्थ रहता है। उन्होंने कहा, तन के डॉक्टर पैसे खर्च करने पर मिल जाते हैं, पर मन के डॉक्टर पैसे से नहीं मिलते, बल्कि भगवान के प्रति आस्था व श्रद्धा के माध्यम से मन को शांत किया जा सकता है। वर्तमान परिदृश्य में हर व्यक्ति तन व मन दोनों से दुखी है। उसके पास चिंतन के लिए समय ही नहीं है। जबकि चिंतन से हमारा मन स्वस्थ होता है। मुनि ने कहा कि गुरुओं की वाणी मानव के विचारों को बेहतर बनाती है। इस मौके पर अजीत जैन प्रधान जैन समाज, संदीप जैन प्रधान चातुर्मास कमेटी, भगवान दास जैन पूर्व प्रधान, भाजपा मंडल अध्यक्ष हेमंत चौबे, महामंत्री रमेश जांगड़ा, जगदीश दिवान, राजू शर्मा, कमलेश जैन, काकू जैन, कपिल जैन, गणेश सर्राफ, अमर सर्राफ, मनोज जैन, सुमन जैन, सरला जैन आदि श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चुनाव से पहले किया था वादा, अब पूरा हुआ सपना : अगस्त से शुरू होगी नियमित बिजली आपूर्ति, 3 नए 11 केवी फीडरों से आधा दर्जन गांवों को मिलेगा सीधा लाभ

स्वास्थ्य की पहल से तैयार हुआ बाघोत में 7 करोड़ का 33 केवी बिजलीघर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

गांव बाघोत में चुनावी दौरे के दौरान ग्रामीणों ने तत्कालीन प्रत्याशी एवं वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के समक्ष 33 केवी विद्युत सब स्टेशन की मांग रखी थी।

मंत्री ने उस समय ग्रामीणों को भरोसा दिलाया था कि सरकार बनने के बाद इस मांग को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा। अब उसी वादे को पूरा करते हुए करीब सात करोड़ रुपये की लागत से बाघोत में 33 केवी विद्युत सब स्टेशन बनकर तैयार हो चुका है। बिजलीघर के अंदर विद्युत आपूर्ति भी शुरू कर दी गई है और मशीनों की स्थापना के साथ अंतिम तकनीकी परीक्षण किए जा रहे हैं।

बिजली निगम के अधिकारियों के अनुसार अगस्त माह से इस बिजलीघर से नियमित बिजली आपूर्ति शुरू कर दी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव जल्द ही इसका विधिवत शिलान्यास करेंगी।

समस्या का स्थायी समाधान करवाया जाएगा

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि चुनाव से पहले बाघोत के ग्रामीणों ने उन्हें क्षेत्र की बिजली समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने उसी समय आश्वासन दिया था कि सरकार बनने पर इस समस्या का स्थायी समाधान कराया जाएगा। आज उन्हें खुशी है कि यह वादा पूरा हो गया है और बाघोत का 33 केवी बिजलीघर बनकर तैयार है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गांवों को मूलभूत सुविधाओं से सशक्त बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नए 33 केवी बिजलीघर से बाघोत एपी, डोमेस्टिक तथा राजावास-सयाना एपी सहित तीन नए 11 केवी फीडर संचालित किए जाएंगे। इससे बाघोत, स्याना सहित आसपास के करीब आधा दर्जन गांवों के हजारों घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज के साथ निर्बाध बिजली आपूर्ति मिलेगी। बिजली भार का संतुलित वितरण होने से लो-वोल्टेज, ओवरलोडिंग, ट्रिपिंग और बार-बार बिजली कटौती जैसी समस्याओं से राहत मिलेगी। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलने से खेती-किसानी को भी बड़ा लाभ होगा।

अगस्त से शुरू होगी नियमित बिजली आपूर्ति

बिजली निगम के कनीना एसडीओ उमेश वर्मा ने बताया कि बिजलीघर के अंदर विद्युत आपूर्ति शुरू कर दी गई है। ट्रांसफार्मर, पैनल और अन्य उपकरणों की टेस्टिंग अंतिम चरण में है। सभी तकनीकी परीक्षण पूरे होने के बाद अगस्त माह से बिजलीघर को पूर्ण क्षमता के साथ चालू कर दिया जाएगा।

क्षेत्र की वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

महाबीर पहलवान ने कहा कि बाघोत व आसपास के गांवों के लोग वर्षों से 33 केवी बिजलीघर की मांग चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने आरती सिंह राव के सामने रखी थी और उन्होंने इसे पूरा करने का वादा किया था। आज बिजलीघर बनकर तैयार है और जल्द ही नियमित बिजली आपूर्ति शुरू होने जा रही है। उन्होंने इसके लिए स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस परियोजना से हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा।

निर्माण कार्य का अधिकारियों ने लिया जायजा

निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान बिजली निगम के एसडीओ उमेश वर्मा, एसडीओ राजेंद्र सिंह, एसडीओ ईशु शर्मा, जेई राजकुमार, निर्माण कंपनी के संचालक सुनील गौड़, ठेकेदार सोमदेव, मनीष कुमार, अमित, निलेश सहित निगम के तकनीकी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि करीब सात करोड़ रुपये की लागत से बने इस 33 केवी बिजलीघर से क्षेत्र की वर्षों पुरानी बिजली समस्या का स्थायी समाधान होगा और किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं तथा छोटे व्यापारियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा।

विधायक ने योजनाओं का लाभ उठाने का किया आह्वान

मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेले में 400 नागरिकों ने कराया पंजीकरण

नारनौल। अंत्योदय मेले का निरीक्षण करते विधायक ओमप्रकाश यादव। फोटो : हरिभूमि

- अंत्योदय के संकल्प को साकार कर रही हरियाणा सरकार : ओमप्रकाश यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार अंत्योदय के संकल्प को साकार करते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता विकास की दौड़ में पीछे छूट गए परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। यह बात विधायक ओमप्रकाश यादव ने रविवार को सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कही। इस मेले के लिए पूर्व में 3000 से अधिक लाभार्थियों की प्री-काउंसलिंग की गई थी। आयोजित मेले में लगभग 400 नागरिकों ने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत अपना पंजीकरण करवाया।

समारोह को संबोधित करते हुए विधायक ने सभी लाभार्थियों से अपील की कि वे अपनी रुचि और कौशल के अनुसार ही सरकारी योजनाओं का चयन करें, ताकि वे भविष्य में पूर्ण समर्पण और कुशलता के साथ अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाकर परिवार को आर्थिक मजबूती प्रदान कर सकें। सेवा विभाग एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया। सभागार परिसर के बाहर बनाए गए विशेष काउंटरों पर पहले नागरिकों का पंजीकरण किया गया, जिसके बाद सभागार के भीतर संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजनाओं की जानकारी देते हुए आवेदन प्रक्रिया पूरी करवाई। कार्यक्रम के दौरान विधायक ओमप्रकाश यादव ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया, अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति का ब्योरा लिया और लाभार्थियों से सीधे बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया।

एक ही घंटे में लोन मंजूर, मुख्यमंत्री अंत्योदय योजना बनी रविंद्र सिंह के लिए सहारा

धरसू गांव के रहने वाले रविंद्र सिंह के लिए मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान मेला खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। रविवार को सभागार में आयोजित अंत्योदय मेले में आवेदन करने के मात्र एक ही घंटे के भीतर अल्पसंख्यक योजना के तहत उनकी आजीविका के लिए 1.50 लाख रुपये का लोन मंजूर हो गया। त्वरित और पारदर्शी प्रक्रिया से बेहद उत्साहित रविंद्र सिंह ने अपनी आजीविका को नई दिशा देने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का दिल से धन्यवाद व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि इस योजना ने उनके स्वावलंबन और बेहतर भविष्य के सपने को साकार करने में बहुत बड़ी मदद की है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर एडीसी तरुण कुमार पावरिया, नगर परिषद चेयरपर्सन कमलेश सैनी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

नारनौल। पुराने विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में हुई तृतीय एलुमनाई मीट, पुरानी यादें ताजा

- संस्थान के पूर्व छात्र-छात्राओं को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद बढ़ाना कार्यक्रम का उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में रविवार को तृतीय एलुमनाई मीट-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के पूर्व छात्र-छात्राओं को एक मंच पर लाकर आपसी संवाद बढ़ाना तथा संस्थान से उनके संबंधों को और मजबूत बनाना था। वर्षों बाद अपने शिक्षकों और साथियों से मिलकर पूर्व छात्र-छात्राएं भावुक नजर आए और छात्र जीवन की यादें साझा कीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ।

प्रधानाचार्य अनिल यादव ने सभी पूर्व विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान की सबसे बड़ी पहचान उसके विद्यार्थी होते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूर्व छात्र विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल कर अपने संस्थान लौटते हैं तो यह पूरे संस्थान के लिए गर्व का विषय होता है। उनके अनुभव वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा और मार्गदर्शन का कार्य करते हैं। ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर अनिल कुमार यादव ने कहा कि संस्थान एक मजबूत एलुमनाई नेटवर्क तैयार करने की दिशा में कार्य कर रहा है। भविष्य में बैचवार एलुमनाई मीट, करियर मार्गदर्शन सत्र, उद्योग विशेषज्ञों के व्याख्यान तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे विद्यार्थियों को रोजगार और व्यक्तित्व विकास के बेहतर अवसर मिलेंगे। एलुमनाई मीट में पूर्व छात्र-छात्राओं ने बताया कि संस्थान से मिली शिक्षा, अनुशासन और शिक्षकों का मार्गदर्शन उनके करियर की सफलता की मजबूत नींव बना। उन्होंने वर्तमान विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और निरंतर सीखने की प्रेरणा भी दी।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, परिचय सत्र और सामूहिक फोटो सेशन आयोजित किया गया। संचालन ज्योति यादव एवं कपिल देव ने किया। अंत में सभी पूर्व छात्र-छात्राओं का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में एलुमनाई नेटवर्क को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संजीव सिंह यादव, विकास यादव, योगेंद्र सिंह, शिवा खंडेलवाल, वर्षा अग्रवाल, राजेश सैनी, अविनाश यादव, विनय यादव, मनोज यादव, मलखान सिंह, अंजनी कुमार, रजनी सहित संस्थान का स्टाफ उपस्थित रहा।

हाफ मैराथन के विजेताओं को मिलेगा 1 लाख का पहला इनाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- दूसरे पर 50 हजार व तीसरे स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को मिलेंगे 25 हजार रुपये के इनाम
- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे विजेताओं को सम्मानित

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे नशा मुक्त हरियाणा अभियान-2026 और हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत महेंद्रगढ़ जिले को पूर्णतः नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से नौ अगस्त (रविवार) को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त अनुपमा अंजली ने बताया कि मुख्यमंत्री की नशामुक्त प्रदेश की संकल्पना को साकार करने और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाकर खेल व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन की ओर से नशे से जंग, महेंद्रगढ़ के संग अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित किया जा रहा है।

उपायुक्त ने बताया कि पांच व 10 किलोमीटर की हाफ मैराथन दौड़ नौ अगस्त को प्रातः सात बजे राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से प्रारंभ होगी। वहीं पांच किलोमीटर की दौड़ के लिए कोई फीस नहीं है, जबकि 10 किलोमीटर की दौड़ के लिए 100 रुपये फीस ली जा रही है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य जन-जन तक जन-जन का एक ही नारा, नशा मुक्त हो समाज हमारा का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए प्रशासन की ओर से पुरुष और महिला दोनों वर्गों के लिए समान रूप से आकर्षक नकद पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं। इस हाफ मैराथन दौड़ में दोनों वर्गों में पहला स्थान हासिल करने वाले विजेता को एक लाख रुपये, दूसरा स्थान पाने वाले को 50000 रुपये और तीसरा स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 25000 रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा।

ऑनलाइन करें पंजीकरण

मैराथन में भाग लेने के इच्छुक नागरिक आधिकारिक पोर्टल पर जाकर आसानी से अपना ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि पांच किलोमीटर की रेस में भाग लेने वाले धावक नसीबपुर स्थित मोड़ से वापस मुड़ेंगे, जबकि 10 किलोमीटर की स्पर्धा में भाग लेने वाले धावक टांटला चौक से वापस मुड़कर आईटीआई परिसर तक पहुंचेंगे।

विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ सुना 'मन की बात'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

विधायक कंवर सिंह यादव ने शहर के बूथ संख्या-132 पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड को सुना। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री द्वारा देशहित, आत्मनिर्भर भारत, युवाओं की भूमिका, जल संरक्षण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर रखे गए विचारों को सभी कार्यकर्ताओं ने ध्यानपूर्वक सुना।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को सकारात्मक सोच, जनभागीदारी और राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करने का एक प्रभावी माध्यम बन चुका है।प्रधानमंत्री प्रत्येक माह देश के प्रेरणादायी व्यक्तित्वों, सामाजिक नवाचारों, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, आत्मनिर्भर भारत और जनभागीदारी जैसे विषयों पर चर्चा कर देशवासियों का मार्गदर्शन करते हैं तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करते हैं। इस मौके पर देवेंद्र सैनी, सीमा सैनी, मुकेश, ईश्वर आढ़ती, रघुबीर सैनी, सुरेश गोस्वामी, सुनील अग्रवाल, ओमप्रकाश बचीनी, कमल सैनी, मोहन वशिष्ठ, कैलाश सैनी, अंकित असोदिया, जयविंद्र सैनी, मोहनलाल कौशिक, पूर्व पार्षद नरेंद्र खन्ना, ज्ञान सोनी आदि भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जागरण में किया श्रीश्याम की महिमा का गुणगान

नारनौल। श्रीश्याम आस्था मंडल के तत्वावधान में शनिवार रात को हुडा सेक्टर में मुख्य यजमान रेखा शर्मा के निवास पर जागरण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल के प्रधान हरिओम गर्ग ने की। इस अवसर पर अंकुर शर्मा, सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग-बिरंगे फूलों व लाइटों से सजाया। आचार्य अजय शर्मा ने यजमान सोमेश वशिष्ठ, पत्नी डॉ. अक्षिता शर्मा से परिवार सहित मंत्रोच्चार के बाद बाबा की पवित्र ज्योति प्रज्वलित करवाई। मास्टर सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर गणेश वंदना के बाद संजय शर्मा ने खाटू के श्याम जी रखोंगे मेरी लाज, बबीता शर्मा ने श्रृंगार तेरा बाबा कहो किसने सजाया है, पवन अरोड़ा ने मोर छड़ी लहराई रे, सुधांशु शर्मा ने श्याम बाबा का श्रृंगार मन भावे खाटू वाले का दरबार, आदि भजन सुनाकर वातावरण श्याममय में बना दिया। इस मौके पर अनिल लख्खा, मनोज वालिया, हेमंत गुप्ता, बलवान जांगिड़, सुरेश सोनी, रेखा शर्मा, अनिल शर्मा, सुनीता शर्मा, गजेंद्र शर्मा, बबीता शर्मा, महिमा वशिष्ठ, शुभम कौशिक, कैलाश चन्द शर्मा, वीरेंद्र यादव, प्रेमलता, अशोक शर्मा, सुरेश चंद शर्मा, बनवारी लाल शर्मा, विक्रम यादव, कृष्ण शर्मा, मुरारीलाल, सोमदत्त शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा, रामनिवास शर्मा, संजय शर्मा आदि उपस्थित रहे।

स्व. नीरज मित्तल की पुण्यतिथि पर 85 यूनिट रक्तदान

महेंद्रगढ़। शहर के प्रमुख समाजसेवी रहे स्वर्गीय नीरज मित्तल की तीसरी पुण्यतिथि पर रविवार को रेलवे रोड स्थित मंगतू राम महाशय की धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह नौ बजे से दोपहर दो बजे तक चले इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं और समाजसेवियों ने भाग लेकर 85 यूनिट रक्तदान किया। शिविर का शुभारंभ बूचावास गोशाला से पधारे श्रीश्री 1008 बिट्ठल गिरी महाराज ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में नेकी की दीवार के संचालक मनीष गोगिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। रक्तदान शिविर में विजय हॉस्पिटल नारनौल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. अंकित चौधरी के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद रक्त संग्रह किया। सभी रक्तदाताओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से उन्हें हेलमेट भी वितरित किए गए। मौके पर शकुंतला मित्तल, संजय मित्तल, हर्षित मित्तल, मुकेश मेहता, फूलचंद महाशय, सुनील निम्भेड़िया, हेमंत खुराना, भारत भूषण, सुरेश सैनी, बिजेंद्र यादव, नवीन यादव, नरेश चेयरमैन आदि मौजूद थे।

- रक्तदाताओं को हेलमेट किए वितरित

जांगिड़ समाज सम्मेलन 6 सितंबर को

कनीना। विश्वकर्मा धर्मशाला कनीना मंडी में जांगिड़ ब्राह्मण समाज की जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंचम जांगिड़ ने की। जिला अध्यक्ष अशोक पैकन ने बैठक में बताया कि आगामी छह सितंबर को खातीवास गांव जांगिड़ समाज के सम्मेलन व प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेरी सौंपी गई हैं। बैठक में वक्ताओं ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर कनीना खंड प्रधान मदनलाल, पदमेंद्र, ओमप्रकाश आर्य, राजेश जांगिड़, पूर्व जिला प्रधान रोहताश नंबरदार, महेंद्रगढ़ खंड प्रधान सांवल राम, राजेश जांगिड़, नारनौल ब्लॉक प्रधान दुलीचंद, राकेश कुमार, विजय जांगिड़, महेंद्र कुमार आदि उपस्थित थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कार्रवाई अभियान के तहत 237 वाहनों के चालान काटे, 4 वाहनों को किया इंपाउंड

23 टीम में 96 पुलिस कर्मियों ने चलाया सर्च अभियान, 19 आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पुलिस अधीक्षक दीपक के मार्गदर्शन में पुलिस की ओर से 'ऑपरेशन आक्रमण' के तहत जिलेभर में विशेष सर्च अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में 19 आरोपितों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही पुलिस ने सात पीओ, बेलजंपर, नामित एवं मोस्ट वांटेड आरोपितों को भी गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से 12 व्यक्तियों के विरुद्ध धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत कार्रवाई की गई। विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने अनैतिक एवं आपराधिक गतिविधियों के साथ-साथ यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भी प्रभावी कार्रवाई की। 237 वाहनों के चालान काटे गए साथ ही चार वाहनों को भी इंपाउंड किया गया। एनजीटी नियमों के उल्लंघन पर 27 वाहनों के चालान किए गए। अभियान के दौरान एक गुमशुदा लड़की को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों से मिलवाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार इस विशेष अभियान के लिए अपराध जांच शाखाओं तथा सभी थाना एवं चौकी स्तर पर विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर अलग-अलग मामलों में आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। संबंधित मामलों में आरोपितों के विरुद्ध एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट एवं अन्य संबंधित कानूनी धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए गए।

अभियान के लिए किया 23 टीमों का गठन

सर्च अभियान के दौरान पुलिस की 23 टीमों का गठन किया गया, जिनमें करीब 96 पुलिसकर्मी शामिल रहे। अभियान के दौरान आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों की पहचान कर उनके विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई। विशेष अभियान के दौरान सभी पर्यवेक्षण अधिकारियों, थाना प्रबंधकों, चौकी प्रभारियों एवं अपराध शाखा की टीमों को अपने-अपने क्षेत्र में गहन जांच एवं सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यदि उनके आसपास कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दे अथवा किसी के द्वारा नशीले पदार्थों की तस्करी या अन्य आपराधिक गतिविधियों की जानकारी मिले, तो इसकी सूचना तुरंत डायल-112 अथवा अपने निकटतम पुलिस थाना या चौकी में दें।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कांग्रेस ने निकाला विजय जुलूस

नारनौल। नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध में आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में प्रस्तावित कैंडल मार्च को शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी महेंद्रगढ़ ने पार्टी हाईकमान के निर्देश पर विजय जुलूस में बदल दिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सत्यवीर यादव झूकिया के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस से महावीर चौक तक विजय जुलूस निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, युवा और छात्र शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि छात्रों के संघर्ष और जनदबाव के चलते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लोकतंत्र और युवाओं की जीत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का संघर्ष तब तक जारी रहेगा, जब तक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती और छात्रों पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाते। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री सत्यवीर यादव झूकिया, वरिष्ठ नेता राव होशियार सिंह, वेदप्रकाश आर्य, जिला महासचिव (संगठन) मंजीत यादव वालों, जिला उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट, उपाध्यक्ष सुमेर चेयरमैन, उपाध्यक्ष तुषार यादव, नारनौल ब्लॉक अध्यक्ष मनपाल यादव, नांगल चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम यादव, कनीना ब्लॉक अध्यक्ष रामकिशन यादव, सीहमा ब्लॉक अध्यक्ष सुधीर यादव, अटेली ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह, सतनाली ब्लॉक अध्यक्ष रामरूप चौधरी, एससी विभाग के जिला अध्यक्ष तौताराम कोहली, महिला अध्यक्ष राजवंती यादव, महेंद्र राता, महासचिव प्रदीप सरपंच, राजबीर यादव, ओबीसी जिला अध्यक्ष विक्रम अवाना, युवा नेता अश्वनी भंगड़ाना, सुनीता गुर्जर आदि मौजूद थे।